राजस्थान पत्रिका
कोलकाता . बुधवार . 10 अगस्त . 2011

मछली मारने वाली नौकाओं का होगा पंजीकरण-सफ्वी

यात्रियों की आवाजाही पर लगेगी रोक

कॉरपोरेट सोसायटी पर भी कसेगा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता @ कोलकाता

मछली मारने वाली नौकाओं पर यात्रियों की आवाजाही पर राज्य सरकार रोक लगाने जा रही है। मछली मारने वाली नौकाओं का पंजीकरण करने की भी बात चल रही है। राज्य के सहकारिता व जल परिवहन मंत्री हैदर अली सफ्वी ने बताया कि राज्य सरकार थल परिवहन सेवा की तरह जल परिवहन सेवा को भी बढ़ाना चाहती है। राज्य सरकार फेरी सेवाओं को पुनर्जीवित कर नए फेरी सेवाएं शुरू करना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि कॉरपोरेट सोसायटी पर भी लगाम लगाने की योजना बना रहे हैं।

मंगलवार को मर्चेन्ट चेम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित परिचर्चा में उन्होंने कहा कि हुगली जलपथ परिवहन समन्वय समिति भी काम नहीं होने के कारण बंद पड़ी है। इसे फिर से शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। राज्य में मछली मारने वाली नौकाओं का व्यावसायिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके विभाग के पास राज्य के मछली मारने वाली नौकाओं की संख्या की जानकारी नहीं है। इन नौकाओं पर यात्रियों की आवाजाही दुर्घटना को दावत दे सकती है। उन्होंने कहा कि इन नौकाओं का पंजीकरण किया जाएगा। इस पर भी निगरानी की जाएगी कि इन नौकाओं का इस्तेमाल यात्रियों की आवाजाही में इस्तेमाल ना हो। उन्होंने कहा कि नई सरकार ने इनलैंड वाटर डायरेक्टोरट को विभाग के रूप में गठन किया। इसलिए इस विभाग को काम संभालने में थोड़ा समय लग रहा है। जल परिवहन विभाग जल्द ही इस पर शुरू किया जाएगा। बजट व योजना बनाई जा रही है।

वक्तव्य रखते मंत्री हैदर अली सफ्वी, साथ में है चेम्बर अध्यक्ष एस. सोंथलिया।

उन्होंने विभिन्न सोसायटी की स्थिति पर कहा कि उनकी मंगलवार को सोसायटी के कामकाज की समीक्षा को लेकर एक बैठक हुई जिसमें विधायक, हावड़ा के डीएम, परिवहन विभाग के सचिव व विभिन्न सोसायटी के सचिव शामिल हुए। इस बैठक में सोसायटी के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्या उनके समक्ष रखी। उन लोगों ने बताया कि उनके सामने भी बड़ी समस्या है। उन्हें समय से वेतन नहीं मिलता। वे लोग ठीक से काम नहीं कर पाते हैं।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में साफ कर दिया गया कि सोसायटी के कामकाज की समीक्षा होगी। अगर उनके काम में संदेह हुआ तो उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस तरह की बैठक भविष्य में की जाएगी।

दैनिक विश्वमित्र
कोलकाता, ९ अगस्त, २०११

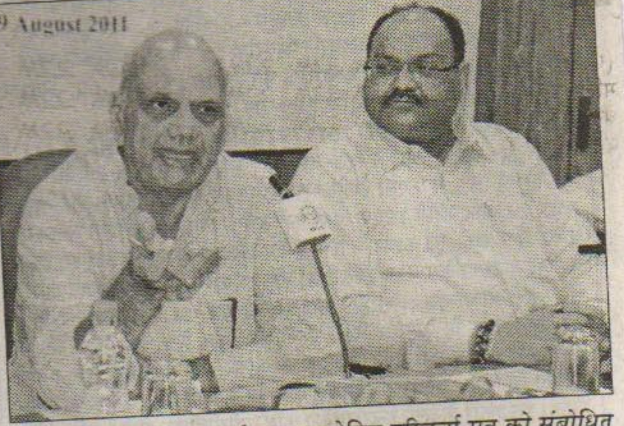

मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित परिचर्चा सत्र को संबोधित करते हुए राज्य के सहकारिता व अंतर्देशीय जल परिवहन मंत्री हैदर अजीत सफवी। साथ में हैं चेम्बर के अध्यक्ष सुदेश कुमार सोंथलिया। विश्वमित्र

को-ऑपरेटिव आंदोलन को बढ़ावा देगा सहकारी विभाग : सफवी

कोलकाता, ९ अगस्त (निप्र)। राज्य में सहकारी आंदोलन को और भी बढ़ावा देने के उद्देश्य से नयी राज्य सरकार द्वारा स्वतंत्र सहकारिता विभाग का गठन किया गया है। नव गठित इस विभाग द्वारा को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस शिकायत के आधार पर रद्द किया गया था। इसलिए राज्य के सहकारी विभाग ने जहां एक ओर को-ऑपरेटिव बैंकों के विकास में ध्यान दिया है वहीं दूसरी तरफ सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देने में कार्य शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी देते हुए राज्य के सहकारिता तथा अंतर्देशीय जल परिवहन मंत्री हैदर अजीत सफवी ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य है कि सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देना, ताकि जरूरत मंद लोगों का इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि को-ऑपरेटिव बैंक से ग्रामीण क्षेत्रों में खासकर किसानों को लाभ मिलता है, लेकिन गत वाममोर्चा सरकार के कार्यकाल में इन बैंकों की आर्थिक दशा काफी खराब हो गयी है। इसलिए राज्य सरकार ने को-ऑपरेटिव बैंकों को सुधारने हेतु कार्य शुरू कर दिया है। मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ कामर्स द्वारा यहां आयोजित 'सहकारिता व अंतर्देशीय जल परिवहन हेतु योजना' शीर्षक परिचर्चा सत्र में श्री सफ्वी ने कहा कि हाल ही में आरबीआई के अधिकारियों ने एक बैठक की थी। बैठक में को-ऑपरेटिव बैंकों की आर्थिक सुधार हेतु फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि हुगली जलपथ परिवहन समवाय समिति के कामकाज की जांच के लिए जल्द ही फैसला लिया जा सकता है। श्री सफवी ने कहा कि सहकारी विभाग की ओर से पर्यटन उद्योग के विकास में सहयोग करेगा। फिलहाल विभाग को कई नये कार्य सौंपे गये हैं। इस अवसर पर चेम्बर के अध्यक्ष सुदेश कुमार सोंथलिया ने स्वागत भाषण दिया।

जनसत्ता, कोलकाता, 10 अगस्त 2011

जलपथ परिवहन को स्वतंत्र विभाग बनाया जा रहा है : सफवी

जनसत्ता संवाददाता

कोलकाता, 9 अगस्त। पश्चिम बंगाल के सहकारिता व जलपथ परिवहन मंत्री हैदर अजीज सफवी ने मंगलवार को कहा कि जल परिवहन विभाग को स्वतंत्र विभाग बनाया जा रहा है। पहले यह भूतल परिवहन निगम लिमिटेड के तहत था। वे मर्चेंट्स चैंबर आफ कामर्स के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारिता संगठन स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। उनके बोर्ड में सरकार का सिर्फ एक व्यक्ति रहता है। नियुक्तियों से लेकर सारे वित्तीय फैसले वे खुद करते हैं। लाभ- हानि के लिए वे खुद जिम्मेदार हैं। करीब 30 प्रतिशत सहकारी बैंक घाटे में चल रहे हैं। राज्य सरकार कोशिश कर रही है कि उनकी स्थिति को सुधारे। उन्होंने सहकारिता और जलपथ परिवहन के क्षेत्र में निजी-सरकारी साझेदारी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) को प्रमुखता देने की बात कही।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि कई सहकारी बैंकों में भारी आर्थिक अनियमितताएं सामने आई हैं। इसी के कारण हावड़ा के एक सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द करना पड़ा। कुछ सहकारी बैंकों के बोर्ड को भंग करना पड़ा। इन बैंकों में अनियमितताएं हुई हैं। इन बैंकों के बोर्ड में वामपंथी लोगों को भर दिया गया है। वे अपने हित में काम कर रहे हैं। नतीजा यह है कि आम आदमी का हित नही हो रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तर बंगाल में आलू की खरीददारी में एक बड़ा रैकेट काम कर रहा था। आरोप था कि आलू खरीदा ही नहीं गया लेकिन उसे कागज पर खरीदा और बेचा गया। इसमें घाटा वगैरह दिखा कर रुपए रख लिए गए। अब इस तरह के घोटालों पर प्रतिबंध लग गया है। हम ऐसे मामलों की जांच कर रहे हैं।

नई सरकार के आने के पहले हुगली जलपथ परिवहन समवाय के कर्मचारियों का वेतन 40 प्रतिशत बढ़ा दिया गया। जबकि उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। उनकी लांच सेवा काफी सस्ती है और इससे यात्रियों को काफी सुविधा है, इसलिए हम चाहते हैं कि उनके सामने कोई दिक्कत न आए।

मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि कोल्ड स्टोरेज मालिकों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन दिया जाए। इससे राज्य के किसानों को लाभ पहुंचेगा।

KOLKATA
THE HINDU • BUSINESS LINE
WEDNESDAY, AUGUST 10, 2011

Govt may hive off inland water transport system

Our Bureau
Kolkata, Aug. 9

The State Government may soon hive off inland water transport system into a separate department.

Inland water system is currently under the State Surface Transport Department, according to Mr Haider Aziz Safwi, Minister of Co-operation and Inland Water Transport, West Bengal.

"The work distribution is under way and it will be notified shortly. The inland water system has been under the surface transport system for the last few years. We are proposing a new department for it and it will start functioning shortly," he said, while talking to newspersons on the sidelines of an interactive session organised by the Merchants' Chamber of Commerce here on Tuesday.

On being asked about the plight of sick co-operative banks in the State, he said, "We recently met the senior officials of Reserve Bank of India and they have asked us to submit a plan for the revival of the sick co-operative banks in the State and we are working on it."

There were close to 40 sick co-operative banks in the State.

"These banks need to be revived in order to protect the interest of depositors," he said.

प्रभात खबर कोलकाता, बुधवार, 10 अगस्त, 2011

राज्य के मंत्री हैदर अजीज साफवी ने कहा

फिशिंग ट्रॉलर से यात्रा पर लगेगी रोक

संवाददाता ■ कोलकाता

मछली पकड़ने के लिए इस्तेमाल में लाये जानेवाले ट्रॉलर को यातायात का माध्यम बना दिया गया है. इसमें लोग सफर कर रहे हैं. इस पर पाबंदी लगायी जायेगी. राज्य सरकार इस विषय पर गंभीर है. यह कहना है राज्य के भू-गर्भ जल परिवहन व सहकारी मामलों के मंत्री हैदर अजीज साफवी ने कही. वह मंगलवार को मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे थे. मंत्री ने कहा कि राज्य में फिशिंग ट्रॉलरों की संख्या का पता नहीं है. राज्य सरकार के पास ऐसा कोई आंकड़ा नहीं है. इसके लिए ट्रॉलरों का पंजीकरण कराया जा रहा है. साथ ही जल परिवहन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नये तरह के लांच उतारे जायेंगे.

को-ऑपरेटिव पर नजर

मंत्री ने बताया कि सूचना मिली है कि राज्य के कई को-ऑपरेटिव सोसाइटी में कामकाज सही तरीके से नहीं चल रहा है. इनके खिलाफ कार्रवाई होगी. साथ ही को-ऑपरेटिव सोसाइटी की सेवाओं का विस्तार किया जायेगा. इस विषय पर मंगलवार को एक बैठक हुई थी. इसमें उत्तर हावड़ा के विधायक अशोक घोष, हावड़ा की जिलाधिकारी संघमित्रा घोष, परिवहन विभाग के सचिव और को-ऑपरेटिव सोसाइटी के प्रतिनिधि मौजूद थे.

राज्य में फिशिंग ट्रॉलरों की संख्या की जानकारी राज्य सरकार के पास नहीं

ट्रॉलरों का कराया जा रहा है पंजीकरण

जल परिवहन को और बेहतर बनाने की योजना बना रही है सरकार

भारतमित्र
कोलकाता, बुधवार, 10 अगस्त, 2011

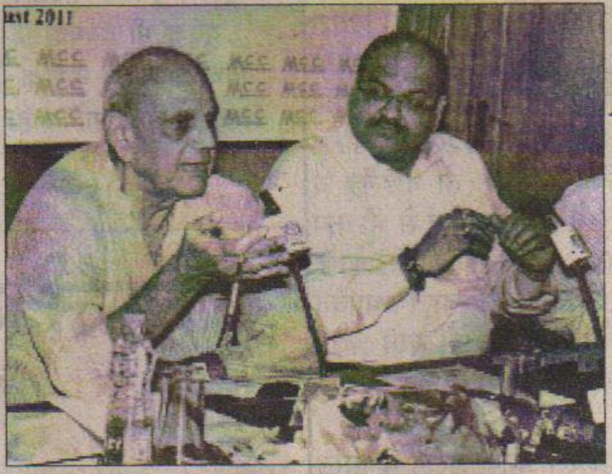

मर्चेंट चेम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से चेम्बर सभागार में आयोजित परिचर्चा में राज्य के आंतरिक जलपथ परिवहन मंत्री हैदर अजीज सफवी एवं चेम्बर अध्यक्ष सुदेश सोंथलिया
(-चित्र: भारतमित्र)

সকালবেলা • ১০ আগস্ট, ২০১১

হুগলি নদী জলপথ পরিবহণে প্রশাসক নিয়োগ করবে রাজ্য

স্টাফ রিপোর্টার: হুগলি নদী জলপথ পরিবহণ সমবায় সমিতিকে বাঁচাতে আর্থিক দায় নেবে না রাজ্য সরকার। তবে সুষ্ঠুভাবে সমবায় যাতে চলে, তার জন্য প্রশাসক নিয়োগ করা হবে। মঙ্গলবার 'সমবায় এবং জলপথ পরিবহণ'-এর উপর আয়োজিত এক আলোচনাসভায় একথাই জানালেন রাজ্যের সমবায় এবং জলপথ পরিবহণমন্ত্রী হায়দার আজিজ সফি। মার্চেন্টস্ চেম্বার অফ কমার্স আয়োজিত এই আলোচনাসভায় তিনি জানান, 'বিষয়টি নিয়ে এদিনই বৈঠক হয়েছে। সংস্থাটি রুগ্ন হওয়া সত্ত্বেও, দু'মাস আগে কর্মীদের বেতন বাড়ানো হয়েছে। আয় যখন বাড়ছে না তখন বেতন কেন বাড়ানো হল? সরকার কোনও রকম আর্থিক প্যাকেজ দেবে না ওই সংস্থাকে। তবে প্রশাসক নিয়োগ করা হবে।' জানা গিয়েছে, এই মিটিংয়ে সমিতির কর্তাব্যক্তিদের পাশাপাশি উপস্থিত ছিলেন রাজ্যের পরিবহণ দফতরের সচিব, সমবায় ও জলপথ পরিবহণ দফতরের সচিব এবং দু'জন বিধায়ক। যে জেটিটি ওই সংস্থা ব্যবহার করে, তা হুগলি নদী জলপথ পরিবহণ সমবায় সমিতি সংস্কার করে না বলেও ক্ষোভ উগরে দেন তিনি। সরকারি পরিবহণ সংস্থা ভূতল পরিবহণও যে ক্ষতিতে চলছে, এদিন তাও জানান তিনি।

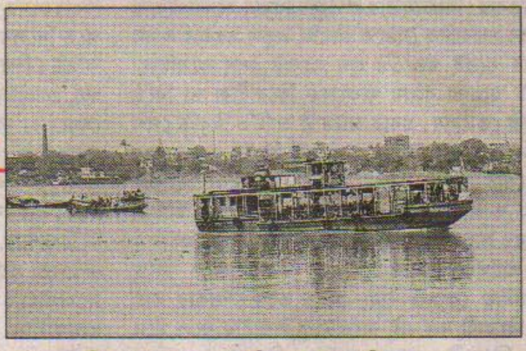

জলপথ পরিবহণ নিয়ে তাঁর কিছু পরিকল্পনার কথাও এদিন বলেন তিনি। তিনি বলেন, জলপথ পরিবহণ এখন একটি ডাইরেক্টরেট। তবে শীঘ্রই এটি একটি আলাদা পূর্ণাঙ্গ ডিপার্টমেন্ট হবে। তার পরই বিভিন্ন পরিকল্পনা বাস্তবায়িত করা হবে। সুন্দরবন এলাকায় মাছ ধরার নৌকোতে যাত্রী বহনের মতো ঘটনা প্রসঙ্গে তিনি বলেন, যাত্রী বহনের জন্য প্রতিটি মাছ ধরার নৌকোকেই রেজিস্ট্রেশন করতে হবে সরকারের কাছে। সরকার নিরাপত্তা বিষয়ক সব দিক খতিয়ে দেখবে। নতুন করে 'পিপিপি' মডেলে জলপথ পরিবহণকে ঢেলে সাজানো হবে বলেও তিনি মন্তব্য করেন।

সমবায় প্রসঙ্গে তিনি ক্ষোভ উগরে দেন পূর্বতন সরকারের উপর। তিনি বলেন, আগের সরকার গত দু'বছরে এমন কিছু সিদ্ধান্ত নিয়েছিল, যা জনস্বার্থবাহী নয়। বিভিন্ন জায়গায় 'রাজনৈতিক নিয়োগ' হয়েছে। সরকারের বদলেও তাঁরা বহাল তবিয়তে রয়ে গিয়েছেন সেইসব পদে। দুর্নীতিও হয়েছে নানা সমবায়ে। একাধিক সমবায়ে দুর্নীতির তদন্তও শুরু হয়েছে বলে তিনি জানান।

The Samaja
KOLKATA, WEDNESDAY, 10 AUGUST- 2011,

ଗୀତାଞ୍ଜଳି ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉଦ୍‌ଘାଟିତ

କଲକାତା, ୯।୮ (ନି.ପ୍ର) - ଦକ୍ଷିଣ କଲକାତାଠାରେ କେଏମ୍‌ଡ଼ିଏ ପକ୍ଷରୁ ପବ୍ଲିକ୍ ପ୍ରାଇଭେଟ୍ ପାର୍ଟନରସିପ୍ ଉଦ୍ୟମରେ ବହୁମୁଖୀ ସୁବିଧାଯୁକ୍ତ ଗୀତାଞ୍ଜଳି ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ ଆଜି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମମତା ବାନାର୍ଜୀଙ୍କଦ୍ୱାରା ଉଦ୍‌ଘାଟିତ ହୋଇଯାଇଛି ।

ଉଦ୍‌ଘାଟନ ସଭାରେ ମେୟର ଶୋଭନ ଚଟ୍ଟୋପାଧ୍ୟାୟ ସଭାପତିତ୍ୱ କରିଥିବାବେଳେ ପୌର ଓ ନଗର ଉନ୍ନୟନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଫିରାଦ ହାକିମ, କ୍ରୀଡ଼ାମନ୍ତ୍ରୀ ମଦନ ମିତ୍ର, ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ମୁକାବିଲା ମନ୍ତ୍ରୀ ଜାଭେଦ ଅହମ୍ମଦ ଖାନ୍, କାଉନ୍‌ସିଲର ସୁଶାନ୍ତ ଘୋଷ ପ୍ରମୁଖ ବକ୍ତବ୍ୟ ରଖିଥିଲେ ।

ରାଜଭଙ୍ଗା ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍‌ଠାରେ ଆୟୋଜିତ ଏହି ଉଦ୍‌ଘାଟନ ଉତ୍ସବରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସୁଶ୍ରୀ ବାନାର୍ଜୀ କହିଥିଲେ ଯେ ପରିବେଶକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ରଖିବା ପାଇଁ ଏଭଳି ପାର୍କର ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି । ସେହିପରି କର୍ମକ୍ଳାନ୍ତ ଜୀବନରେ ବିଶ୍ରାମ ଓ ମନୋରଞ୍ଜନ ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ସଂସ୍କୃତି କୈନ୍ଦ୍ରିକ ଆସର ଜରୁରୀ । କଲକାତା ମହାନଗରୀକୁ ବିଭିନ୍ନ ସଜ୍ଜିତ କରିବା ପାଇଁ ପୌରସଭା ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଯେଉଁ ଉଦ୍ୟମ ଗ୍ରହଣ କରିଛି ତାହା ସଫଳ ରୂପ ନେଲେ ପ୍ରକୃତରେ ପ୍ରସ୍ତାବିତ କଲକାତା ମହାନଗରୀ ଲଣ୍ଡନରେ ପରିଣତ ହେବ । ଏହି କ୍ଷେତ୍ରରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଆଗେଇ ଆସିବା ଉଚିତ୍ । ଦକ୍ଷିଣ କଲକାତାର ଏଭଳି ବହୁମୁଖୀ ପାର୍କ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ପାଇଁ ଦୀର୍ଘ ଦିନ ଧରି ଉଦ୍ୟମ ଚାଲିଥିଲା, ଯାହାକି ପୂରଣ ହେଉଛି । ନଗର ଉନ୍ନୟନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଫିରହାଦ୍ ହାକିମ୍ କହିଥିଲେ ଯେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଲକ୍ଷ୍ୟକୁ ସୁଦୃଢ଼ ରୂପ ଦେବା ପାଇଁ ପ୍ରତ୍ୟେକଙ୍କୁ ସଙ୍କଳ୍ପ ନେବାକୁ ହେବ । ଆର୍ଥିକ ସଂକଟ ମଧ୍ୟରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ପାଇଁ ବହୁମୁଖୀ ସୁଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି କରାଯାଉଛି । ମେୟର ଶ୍ରୀ ଚଟ୍ଟୋପାଧ୍ୟାୟ କହିଥିଲେ ଯେ ଏହି ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ ନିର୍ମାଣ ପାଇଁ ୨୫କୋଟି ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ହୋଇଛି । ଏଠାରେ ଜାତୀୟ ଓ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ମାନର ଫୁଟବଲ, କ୍ରିକେଟ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଆଉଟ୍‌ଡୋର ଖେଳ ହୋଇପାରିବ । ୪ହଜାର ଦର୍ଶକ ଏଠାରେ ବସିପାରିବେ । ସେହିପରି ଇଣ୍ଡୋର ଗେମ୍ ମଧ୍ୟ ହୋଇପାରିବ ।

ଏମସିସିଆଇ ସଭା ଗୃହରେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗର ମନ୍ତ୍ରୀ ହାଇଦର ଅଜିଜ୍ ସାଫି ଓ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ସୁଦେଶ ସାନ୍ଥାଲିଆ । ଫଟୋ : ସମାଜ

जमशेदपुर, 10 अगस्त 2011 दैनिक जागरण

एक नजर

जल परिवहन में होगा सुधार : सफवी

कोलकाता : सरकार निजी संस्थाओं के साथ मिलकर जल परिवहन सेवा में सुधार करेगी। इसके लिए सरकार विस्तृत योजना बना रही है। यह बात आज मर्चेट चेंबर आफ कामर्स द्वारा आयोजित वार्ता सत्र में कोआपरेशन व इनलेंड वाटर ट्रांसपोर्ट मंत्री हैदर अजीज सफवी ने कही। उन्होंने कहा कि अधिकतर जल परिवहन कोआपरेटिव के माध्यम से चलते हैं। उन्होंने कहा कि गंगा की जेटियों आदि को दुरुस्त करने की जरूरत है, जिसके लिए राज्य सरकार मुकम्मल योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि तत्काल योजनाओं का खुलासा नहीं किया जा सकता है लेकिन सरकार इस मामले में गंभीर है।

SANGBAD PRATIDIN 10 AUGUST 2011

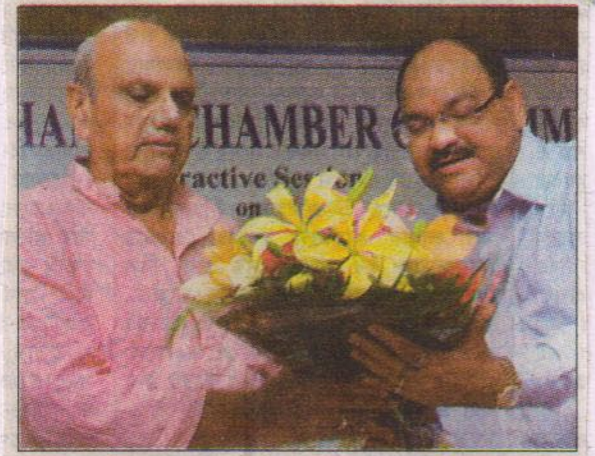

মঙ্গলবার বণিক সভার এক অনুষ্ঠানে রাজ্যের সমবায়মন্ত্রী এইচ এ সফিকে স্বাগত জানাচ্ছেন বণিকসভার সভাপতি এস সান্থালিয়া। —প্রতিদিন চিত্র

ভোরের বার্তা Wednesday, 10 August, 2011

জলপথ পরিবহণের বেহাল দশা সিপিএমকে দুষলেন সফি

নিজস্ব প্রতিনিধি : জলপথ পরিবহণের বেহাল দশার জন্য বিগত বাম সরকারকে দুষলেন রাজ্যের সমবায় ও অভ্যন্তরীণ জলপথ পরিবহণ মন্ত্রী। কলকাতা ও তার পার্শ্ববর্তী এলাকায় জল পথে পরিবহণের জন্য ২১টি জেটি তৈরি হবে। এর জন্য আগেই ২০ কোটি টাকা বরাদ্দ হয়েছে। তবে জেটিগুলি রক্ষণাবেক্ষণের দায়িত্ব নিতে হবে সংশ্লিষ্ট সংস্থাকেই।

মঙ্গলবার মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্সে এক সাংবাদিক বৈঠকে এই কথা জানান রাজ্যের সমবায় ও অভ্যন্তরীণ জলপথ পরিবহণ মন্ত্রী হায়দার আজিজ সফি। তিনি অভিযোগ করেন, আগের সরকারের আমলে সিপিএমের দৌলতে হুগলি জলপথ পরিবহণ সমবায় সমিতিতে কর্মীদের বেতন বেড়েছে ৪০ শতাংশ অথচ সেই তুলনায় আয় বাড়েনি। এই ধরনের সংস্থার আয় বাড়ানোর চেষ্টা করতে হবে।

তিনি আরও বলেন, আলু চাষিরা যাতে সঠিক দাম পায়, হিমঘরে আলু সংরক্ষণ করতে পারে সেই বিষয়টিও দেখা হবে। বিধানসভায় অধিবেশন চলার জন্য ভবিষ্যৎ পরিকল্পনার কথা এ দিন তিনি বলতে চাননি।

তবে তিনি বলেন, গ্রামীণ ব্যাঙ্কগুলির হাল ফেরানোর চেষ্টা করা হবে।

THE DAILY AKHBAR-E-MASHRIQ CALCUTTA Wednesday 10th August 2011

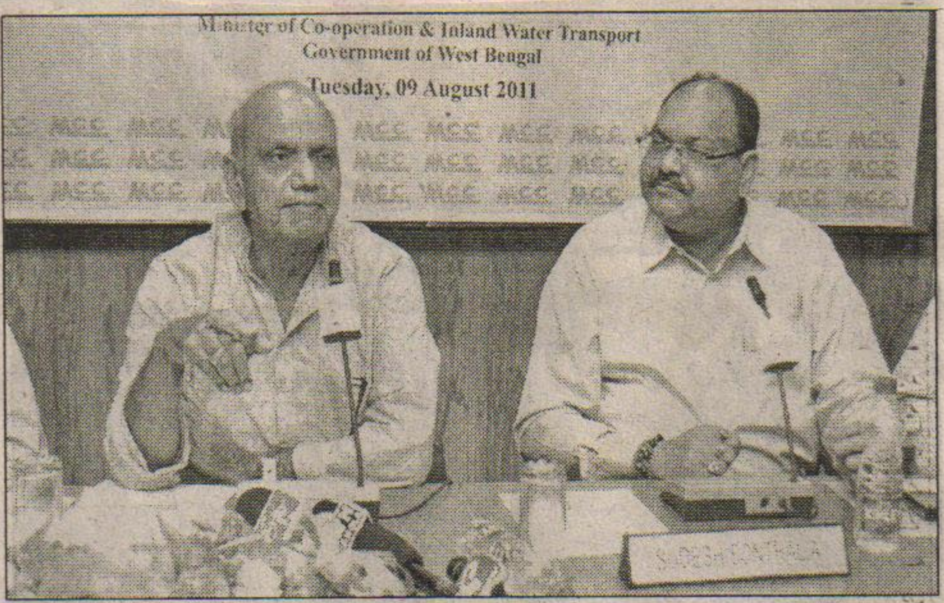

DURANTA BARTA

11 August 2011, Thursday

রাজ্য জলপথে যাত্রী পরিষেবার প্রসার ঘটানোর উদ্যোগ

নিজস্ব সংবাদদাতা, কলকাতা, ১০ আগষ্ট ঃ পশ্চিমবঙ্গে আন্তঃরাজ্য জলপথে যোগাযোগ ব্যবস্থা সুন্দরভাবে গড়ে তোলার প্রচুর সম্ভাবনা আছে। আর এই সুযোগকে বাস্তবায়িত করার জন্য উদ্যোগ নিল রাজ্য সরকার। এই লক্ষ্যে গত মঙ্গলবার একটি অনুষ্ঠানেরও আয়োজন করা হয়েছিল। উল্লেখ্য, গত বাম জামানায় আন্তঃরাজ্য জলপথে যোগাযোগ ব্যবস্থা সেই অর্থে উন্নতি করা হয়নি। কারণ কোষাগারে ঘাটতি। বর্তমানে এই সমস্যা সমাধানের জন্য কেন্দ্রীয় সরকার হস্তক্ষেপ করেছে। এরজন্য খরচ করা হবে দুটি খাতে সেন্ট্রাল স্পন্সরড স্কীমে এবং ইংল্যান্ড ভেসেল বিল্ডিং সাবসিডি স্কীমে। পশ্চিমবঙ্গ ভূতল পরিবহন সংস্থার দ্বারা ভুটভুটি ও বাস পরিষেবা চালু আছে। ফেরি চলাচলের জন্য ১৫ টি জেটি এবং বাস পরিবহনের জন্য একটি ডিপো আছে। ওয়াটার ট্রান্সপোর্ট সার্ভিসেস আরও উন্নতির জন্য উদ্যোগ নেওয়া হয়েছে। ত্রিবেণী ও ফারাক্কার মধ্যে 'ন্যাশানাল ওয়াটার ওয়ে ১' তে জেটি গুলির সংস্কার করা হবে। মোট ৮৮ টি স্কীম চুক্তি বদ্ধ হয়েছে। এদের মধ্যে ৩০টি ইতিমধ্যেই সম্পন্ন হয়েছে। এর জন্য কেন্দ্রীয় সরকার এই পরিকল্পনার জন্য খরচ বহন করছে ৯০ শতাংশ এবং রাজ্য সরকার এই খাতে খরচ করছে ১০ শতাংশ। এদিন শ্রী হায়দার আজিজ সোফি বলেন, জলপথে যোগাযোগ ব্যবস্থা উন্নতির প্রচুর সুযোগ রয়েছে পশ্চিমবঙ্গে। বাগবাজার-কেষ্টপুর ফেরি ব্যবস্থার সূচনা করা হয়েছিল। কিন্তু কয়েকমাস চলার পর তা বন্ধ হয়ে যায়। তিনি জানান, এই সব বন্ধ হয়ে যাওয়া ফেরি ব্যবস্থা গুলি পুনরায় চালু করা যেতে পারে। পাশাপাশি তিনি এও জানিয়েছেন, বিস্তীর্ণ এলাকা জুড়ে যদি জল পথে যোগাযোগ ব্যবস্থার উন্নতি ঘটে তাহলে তা পর্যটন শিল্পেরও প্রসার ঘটাবে। এ ব্যাপারে ইন্টার ওয়াটার ট্রান্সপোর্ট গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করতে পারে।